खबर संक्षेप

नरवाई जलाने पर दर्ज हुई एफआईआर

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती अमृता गर्ग ने जानकारी दी है कि जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम बरहाई निवासी चंद्रशेखर नायक पिता हीरानायक द्वारा नरवाई जलाने पर थाना सोहागपुर में एफआईआर दर्ज कराई गई है। ज्ञात हो कि कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा खेतो में नरवाई जलाना पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है।

कप्तान की बैठकः ढीली पुलिसिंग पर भड़के पुलिस अधीक्षक

थाना प्रभारियों को अल्टीमेटम, लापरवाही पर नपेगे अफसर
अब टैबलेट से हाइटेक होगी विवेचना

शहडोल। जिले की कानून व्यवस्था को चाक-चौबंद करने और पेंडिंग फाइलों को दबाकर बैठे सुस्त पुलिसिया सिस्टम में करंट दौड़ाने के लिए पुलिस कप्तान ने आज रौद्र रूप दिखाया। पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित हाई-प्रोफाइल अपराध समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक ने जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों, थाना और चौकी प्रभारियों की जमकर क्लास ली। कड़े तेवरों और आक्रामक अंदाज में हुई इस बैठक ने साफ संदेश दे दिया है कि जिले में अब सुस्त कार्यप्रणाली और टालमटोल का रवैया बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कप्तान ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि जनता को चक्कर कटवाने वाले और फाइलों को दबाकर बैठने वाले अफसर अपनी कार्यशैली सुधार लें, अन्यथा सीधे लाइन हाजिर होने के लिए तैयार रहें।

तीन महीने से लंबित केसों पर भडक़े कप्तान

बैठक की शुरुआत होते ही पुलिस अधीक्षक ने थानावार फाइलों का पुलिंदा खोला, जिससे कई थाना प्रभारियों के पसीने छूट गए। कप्तान ने तीन महीने से अधिक अवधि से लंबित पड़े गंभीर अपराधों और खासकर साठ दिनों से अधिक समय से अटके पड़े बलात्कार जैसे संवेदनशील मामलों की धीमी जांच पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने प्रभारियों को आड़े हाथों लेते हुए तीखे सवाल दागे कि आखिर अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? साफ निर्देश दिए गए कि महिलाओं और नाबालिगों से जुड़े अपराधों में किसी भी प्रकार की कोताही अक्षम्य होगी। इसके साथ ही नाबालिग बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी (अपहृत बच्चों की तलाश), लंबित मर्ग प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के पुलिंदों को समय सीमा के भीतर निपटाने का कड़ा अल्टीमेटम दिया गया है।

माइनर एक्ट में करो आक्रामक कार्रवाई

पुलिस कप्तान ने अपराधियों में खाकी का खौफ पैदा करने के लिए सभी थाना प्रभारियों को फील्ड पर उतरने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सालों से फरार चल रहे वारंटियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। इसके साथ ही क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई और माइनर एक्ट के तहत ताबड़तोड़ प्रहार करने की रणनीति तैयार की गई है। कप्तान ने दो टूक कहा कि संवेदनशील मामलों में जरा सी भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी, पुलिस की पैनी नजर हर गतिविधि पर होनी चाहिए।

थानों में बंटे टैबलेट, डिजिटल होगी विवेचना

अपराधियों से दो कदम आगे रहने और विवेचना कार्य को तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए पुलिस मुख्यालय के सहयोग से एक बड़ी पहल की गई है। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने स्वयं सभी थाना प्रभारियों को आधुनिक टैबलेट वितरित किए। इन टैबलेट्स के माध्यम से अब केस डायरी और विवेचना से जुड़े कार्य डिजिटल और पेपरलेस माध्यम से त्वरित गति से किए जा सकेंगे।

रेऊंसा पंचायत में 95 लाख का निर्माण घोटाला

अफसरों की मिलीभगत से जांच ठंडे बस्ते में, मशीनों का खेल मजदूरों का हक लूटा

शहडोल। संभाग की जयसिंहनगर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत रेऊंसा में पंच-परमेश्वर और वित्त आयोगों की 95.87 लाख की शासकीय राशि के दुरुपयोग और गंभीर वित्तीय अनियमितताओं का सनसनीखेज आरोप लगा है। शिकायतकर्ता ने कमिश्नर को सौंपे पत्र में आरोप लगाया कि जनपद जिम्मेदारों की मिलीभगत से मजदूरों का हक मारकर हैवी मशीनों से गुणवत्ताहीन निर्माण कराए गए और बिना जीएसटी बिलों के लाखों का भुगतान निकाल लिया गया। इस मामले में जनपद उपाध्यक्ष शिब्बू सिंह द्वारा कलेक्टर को पत्र लिखने और संभागायुक्त द्वारा समय-सीमा में 7 दिन के भीतर उच्च स्तरीय जांच के कड़े आदेश देने के बावजूद, पिछले 9 महीनों से जिला पंचायत की शिकायत शाखा में जांच फाइल दफन पड़ी है।

फर्जी बिलों से लाखों का आहरण

आरोप है कि जनपद के अधिकारियों से सांठ-गांठ कर बिना जीएसटी बिलों के ही धड़ल्ले से भुगतान करा लिया गया। ग्राम सेमरपाका में 20 लाख की लागत से बनी 400 मीटर सीसी रोड को पूरी तरह हैवी मशीनरी से बनाने और धनेड़ा में जेसीबी से नाली निर्माण कराकर कागजों पर मजदूरी का फर्जी भुगतान दिखाने का सनसनीखेज आरोप है। जनपद पंचायत उपाध्यक्ष शिब्बू सिंह ने कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि सचिव सुरेश यादव ने एक साल में 60 से 70 लाख का संदिग्ध आहरण किया।

जयसिंहनगर जनपद के ग्राम पंचायत रेऊंसा में पंच-परमेश्वर और वित्त आयोगों की 95.87 लाख की राशि में भारी बंदरबांट के आरोप लगे हैं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि नियमों को ताक पर रखकर स्थानीय मजदूरों के बजाय ठेकेदारों और हैवी मशीनों से काम कराया गया। ग्रामीणों द्वारा कमिश्नर से लिखित शिकायत के बाद भी जांच अधिकारियों पर दबाव बनाकर लीपापोती की रिपोर्ट तैयार कराने के गंभीर आरोप हैं।

कमिश्नर का आदेश फाइल में दफन

घोटाले की गूंज पर संभागायुक्त ने जिला पंचायत सीईओ को पत्र भेजकर 7 दिनों में स्पष्ट जांच रिपोर्ट मांगी थी। तत्कालीन सीईओ सौम्या आनंद और वर्तमान अतिरिक्त सीईओ मुद्रिका सिंह द्वारा बार-बार स्मरण पत्र जारी करने के बावजूद जांच अधिकारियों द्वारा पिछले 9 महीनों से फाइल को दबाकर रखने के आरोप हैं।

आंकड़ों की बाजीगरी में व्यस्त अफसर

आरोप लग रहे हैं कि कडक़ कार्रवाई का दावा करने वाले वर्तमान जिला पंचायत सीईओ की नाक के नीचे इस बड़े घोटाले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। पूरी जिला पंचायत जल संवर्धन अभियान के नाम पर केवल फोटोग्राफी और आंकड़ों की बाजीगरी में व्यस्त है, जबकि बिना तकनीकी स्वीकृति के हुए घटिया निर्माणों पर पर्दा डाला जा रहा है।

इनका कहना है...

मने संबंधित ग्राम पंचायत से सभी आवश्यक दस्तावेज और रिकॉर्ड मांगे हैं, परंतु अभी तक पंचायत या जनपद की ओर से कोई कागजात उपलब्ध नहीं कराए गए हैं।
के.पी. पटेल
कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग,
शहडोल

फिलहाल मैं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए जल संवर्धन अभियान के कार्यों में व्यस्त हूं। पूरे जिले की मॉनिटरिंग के कारण 30 मई तक यह जांच संभव नहीं है।
संतोष बाल्मीकी
परियोजना अधिकारी
मनरेगा, जिला पंचायत
शहडोल

तंबाकू का सेवन न करने की ली गई शपथ

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा के निर्देषानुसार जिले में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में 25 मई से 31 मई तक निकोटिन और तंबाकू की लत का आकर्षण बेनकाब करें की थीम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी कड़ी अनुक्रम में जिला चिकित्सालय परिसर में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य सिविल सर्जन डॉ. शिल्पी सराफ की उपस्थिति में तंबाकू का सेवन न करने की शपथ दिलाई गई। डॉ. पुनीत श्रीवास्तव ने बताया कि जनवरी 2026 से अब तक 500 से अधिक लोगो की काउंसलिंग की गई तथा उन्हें निकोटिन रिस्लेसमेंट थैरेपी के लिए च्यूइंगम खिलाया गया एवं 7 व्यक्तियो द्वारा तंबाकू सेवन छोड़ दिया गया एवं जिला जिला चिकित्सालय परिसर में तंबाकू का सेवन करने वालो के विरूद्व कार्यवाही करते हुए 1600 रूपये का अर्थदंड लगाया गया। इस अवसर पर डॉ. सीजा जानहई, डॉ. नितिन मंगलानी सहित अन्य चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टॉप उपस्थित रहें।

घर में घुसकर डाका डालने वाला शातिर चोर दबोचा, बाइक और दो मोबाइल बरामद

शहडोल। क्षेत्र में सक्रिय चोरों और अपराधियों की अब खैर नहीं है। थाना प्रभारी निरीक्षक खेमसिंह पेन्द्रो के नेतृत्व में धनपुरी पुलिस ने घर में घुसकर चोरी करने वाले एक शातिर बदमाश को दबोचकर सलाखों के पीछे भेज दिया है। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी के कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल और दो चमचमाते एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी बरामद कर लिए हैं।मामला बण्डी खुर्द गांव का है, जहां 12 मई की रात अज्ञात चोर ने फरियादी लालजी बैगा के सूने घर को निशाना बनाया था। शातिर चोर घर के भीतर से दो महंगे मोबाइल, बारह हजार रुपये नकद और आंगन में खड़ी चमचमाती मोटरसाइकिल पार कर ले गया था। घटना के बाद सक्रिय हुई धनपुरी पुलिस ने मुखबिरों का जाल बिछाया और संदिग्धों पर पैनी नजर रखनी शुरू की।
सटीक इनपुट के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर संदेही सोमनाथ बैगा (निवासी लालपुर, बुढ़ार) को अपनी गिरफ्त में ले लिया। जब खाकी ने अपना कड़ा और सख्त तेवर दिखाया, तो आरोपी टूट गया और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। इस पूरी आक्रामक और त्वरित कार्रवाई में थाना प्रभारी सहित सउनि भारत सिंह, प्रधान आरक्षक गेंदसिंह, रामनाथ, राजू प्रसाद और आरक्षक अमित सिंह की कडक भूमिका रही।

जयसिंहनगर पुलिस ने तोड़ी नशा माफियाओं की रीढ़

साढ़े तीन क्विंटल गांजे और गाडिय़ों के साथ एक तस्कर दबोचा, तीन भागे

शहडोल। जिले में अवैध मादक पदार्थों के काले कारोबार और नशे के सौदागरों के खिलाफ पुलिस कप्तान के सख्त और कड़े निर्देश का ऐसा खौफनाक असर देखने को मिला है कि माफियाओं के हौसले पस्त हो गए हैं। जयसिंहनगर थाना पुलिस ने नशा मुक्ति अभियान के तहत अब तक की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक सर्जिकल स्ट्राइक की है। पुलिस ने घेराबंदी करते हुए करीब साढ़े तीन क्विंटल अवैध गांजा जब्त करने में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। पुलिस की इस कार्रवाई में न केवल लाखों रुपये कीमत रखने वाला भारी मात्रा में गांजा पकड़ा गया, बल्कि तस्करी में इस्तेमाल हो रही दो आलीशान चार पहिया गाडिय़ां और चार पहिया वाहनों में हेरफेर करने के लिए रखी गईं अतिरिक्त फर्जी नंबर प्लेटें भी बरामद की गई हैं। पुलिस द्वारा जब्त की गई कुल संपत्ति का मूल्यांकन साठ लाख रुपये से भी अधिक आंका गया है। इस पूरी कार्रवाई की सबसे खास बात यह रही कि पुलिस कप्तान के कुशल मार्गदर्शन और जयसिंहनगर थाना प्रभारी के कुशल नेतृत्व में पुलिस टीम ने बिना एक पल गंवाए इस बड़े अंतराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश कर दिया।

आधी रात को बिछाया गया जाल

नशे के इस अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को खत्म करने की पूरी योजना जयसिंहनगर थाना प्रभारी को मिली एक सूचना पर तैयार की गई थी। थाना प्रभारी को खुफिया जानकारी मिली थी कि उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के नंबरों वाली दो गाडिय़ों में भारी मात्रा में मादक पदार्थ गांजा लादकर तस्कर जनकपुर रोड बाईपास मार्ग से जयसिंहनगर की ओर बढ़ रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी ने तत्काल अपने जवानों की टीम गठित की और बिना वक्त गंवाए आधी रात को ही पूरे बाईपास मार्ग पर नाकाबंदी कर दी।

नहीं आई चालाकी काम

नाकाबंदी के कुछ ही देर में उत्तर प्रदेश के नंबर वाली एक तेज रफ्तार कार और उसके ठीक पीछे आ रही महाराष्ट्र के नंबर वाली एक अन्य गाड़ी दिखाई दी। पुलिस की टीम ने जैसे ही दोनों संदिग्ध वाहनों को रोकने का प्रयास किया, वैसे ही पुलिस की भारी मौजूदगी और खाकी की धमक देखकर तस्करों के पसीने छूट गए। पुलिस को सामने खड़ा देख खुद को चारों तरफ से घिरा पाकर पीछे चल रही गाड़ी में सवार दो शातिर तस्कर और आगे चल रही कार का चालक वाहन छोडक़र घने जंगल और अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले, लेकिन पुलिस टीम के सामने तस्करों की चालाकी काम नहीं आई। जवानों ने घेराबंदी की और आगे चल रही कार में बैठे एक मुख्य आरोपी को मौके पर ही दबोच लिया। पकड़े गए तस्कर ने अपना नाम राहुल कुमार चर्मकार, निवासी मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश बताया है।

यूपी और मध्य प्रदेश का सांठगांठ उजागर

जयसिंहनगर थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पकड़े गए दोनों बंद वाहनों के पिछले हिस्से और सीटों को खोलकर सघन तलाशी ली, तो वहां का नजारा देखकर अधिकारियों के भी कान खड़े हो गए। आगे चल रही कार से दो बड़ी बोरियों में ठसाठस भरा कुल एक सौ दो किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जबकि पीछे चल रही बड़ी गाड़ी से पांच बोरियों में भरा कुल दो सौ अड़तालीस किलोग्राम से अधिक गांजा जब्त किया गया। दोनों

वाहनों को मिलाकर कुल तीन सौ पचास किलोग्राम से अधिक का अवैध गांजा बरामद हुआ है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत पैंतीस लाख रुपये से अधिक है। इसके अलावा पुलिस ने छह लाख रुपये मूल्य की कार, बीस लाख रुपये मूल्य की बड़ी गाड़ी, दो मोबाइल फोन और गाडिय़ों से मिली अतिरिक्त फर्जी नंबर प्लेटें भी जब्त की हैं। पकड़े गए आरोपी से जब थाना प्रभारी ने सख्त लहजे में पूछताछ की, तो उसने अपने कथन में इस पूरे काले कारोबार में शामिल अन्य मास्टरमाइंड तस्करों के नामों की उलटी गिनती शुरू कर दी। इस रैकेट में चंदेला निवासी कन्हैया जायसवाल, जोगेंद्र उर्फ जोगेंद्र ठाकुर और गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश निवासी नीरज की सीधी संलिप्तता सामने आई है, जो फिलहाल पुलिस के डर से फरार हैं।

माफियाओं की उल्टी गिनती शुरू

जयसिंहनगर पुलिस द्वारा की गई इस ऐतिहासिक जब्ती ने साफ कर दिया है कि जिले में अब नशा माफियाओं के दिन पूरी तरह लद चुके हैं। पुलिस कप्तान के कुशल निर्देशन और थाना प्रभारी के रणनीतिक कौशल के कारण ही इतनी बड़ी मात्रा में जहर को बाजार में खपने से पहले ही पकड़ लिया गया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी और फरार चल रहे तीनों शातिर अपराधियों के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। थाना प्रभारी ने इस बड़ी सफलता के बाद अपराधियों को कड़े शब्दों में चेतावनी दी है कि वे चाहे पाताल में भी छुप जाएं, पुलिस की पकड़ से बच नहीं पाएंगे और बहुत जल्द बाकी तीनों तस्कर भी सलाखों के पीछे रोते हुए नजर आएंगे। इस पूरी साहसिक और सराहनीय कार्रवाई में थाना प्रभारी के साथ उनकी पूरी टीम के आरक्षकों और प्रधान आरक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनकी पीठ खुद पुलिस कप्तान ने थपथपाई है।

ग्राम सगरा में मिट्टी की सेहत सुधारेगी हरी खाद कृषि जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

शहडोल। जिले में मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और रसायनों के उपयोग को कम करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत हरी खाद के प्रति जागरूकता हेतु विकासखंड गोहपारू के ग्राम सगरा में एक दिवसीय मेला सह संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 250 प्रगतिशील किसानों ने हिस्सा लिया। सहायक संचालक कृषि श्री अनुराग पटेल ने बताया कि वर्तमान में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन एवं परंपरागत कृषि विकास योजना नाम से जैविक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्यक्रम जिले में संचालित है। उक्त योजनाओं के तहत 4081 किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती से जोड़ा जा चुका है। विकासखंड गोहपारू के लगभग 1000 किसानो को उक्त योजना से लाभान्वित किया गया है। हरी खाद की खेती करने खेत में जीवांश कार्बनिक पदार्थ एवं मिट्टी की उर्वरा शक्ति तथा जलधारण क्षमता में वृद्धि होती है, उन्होंने ई - विकास प्रणाली अंतर्गत उर्वरक वितरण, कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। अपने उद्बोधन में किसानों को जैविक खेती की नवीन कृषि तकनीकियों एवं प्रौद्योगिकी का उपयोग करके खेती के टिकाऊ एवं सतत विकास के मॉडल को विकसित करने के लिये किसानो को सलाह दी। उन्होंने कहा कि हरी खाद न केवल मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, बल्कि यह किसानों के लिए कम लागत में अधिक मुनाफे का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने कहा कि हरी खाद, मिट्टी का वरदान है तथा उपस्थित कृषकों को ढैंचा, सनई और मूंग जैसी फसलों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

संगोष्ठी में उपस्थित कृषि वैज्ञानिक डॉ नितिन सिंघाई ने हरी खाद के प्रयोग की बारीकियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को ढैंचा, सनई और मूंग को हरी खाद के रूप में उपयोग करने की वैज्ञानिक विधियां सिखाई गईं। उन्होंने ने बताया कि हरी खाद के उपयोग से रासायनिक उर्वरकों (जैसे यूरिया, डीएपी) पर निर्भरता कम होती है, जिससे खेती की लागत घटती है। हरी खाद की बोवाई के 40 से 45 दिन बाद खेत में पलट देना चाहिये उसके 08 से 10 दिन बाद बाद खेत में रोपाई/ बोवाई का कार्य करना चाहिये।

कृषि विभाग द्वारा कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों के हाथों उच्च गुणवत्ता वाले हरी खाद के मिनीकिट (बीज) निःशुल्क किसानों को वितरित किया गया। कार्यक्रम मे ग्राम सगरा की सरपंच जयमंती सिंह, उप सरपंच लालसिंह, पंच भवानी सिंह वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी प्रदीप कुशवाहा एवं चंद्रभान सिंह, ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी पंकज चौधरी, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी कमलेश्वर सिंह एवं वी. एस. मंडावी तथा स्वास्थ्य एवं अन्य विभागों के अधिकारी गण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे ।

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय दलबीर सिंह की 26वीं पुण्यतिथि पर राजेंद्रग्राम में जुटेगा जनसैलाब

सांसद हिमाद्री सिंह ने दी श्रद्धांजलि कार्यक्रम की जानकारी

शहडोल। संसदीय क्षेत्र के लोकप्रिय जननेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय दलबीर सिंह की 26वीं पुण्यतिथि आगामी 2 जून 2026 को उनके गृह नगर राजेंद्रग्राम में श्रद्धापूर्वक मनाई जाएगी, जिसे लेकर क्षेत्र के नागरिकों और समर्थकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। स्वर्गीय सिंह की स्मृति में आयोजित होने वाले इस भव्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है, जहाँ उनके जीवन दर्शन और जनसेवा के कार्यों को याद किया जाएगा। शहडोल सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह और उनके भाई रुद्र प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि पूज्य पिता जी की पुण्यतिथि के अवसर पर राजेंद्रग्राम स्थित उनके निज निवास पर विशेष सभा का आयोजन किया गया है, यह कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शुरू होकर शाम 6 बजे तक अनवरत चलेगा जिसमें क्षेत्र के कोने-कोने से लोग आकर अपनी भावांजलि अर्पित करेंगे। गौरतलब है कि स्वर्गीय दलबीर सिंह जी का राजनीतिक सफर बेहद प्रेरणादायक रहा है और उन्होंने केंद्रीय राजनीति में रहते हुए शहडोल संभाग सहित पूरे क्षेत्र के विकास के लिए जो नीव रखी थी, उसी का परिणाम है कि आज भी लोग उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। कार्यक्रम के दौरान न केवल पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी, बल्कि उनके द्वारा किए गए जनकल्याणकारी कार्यों और उनके सिद्धांतों पर चर्चा भी की जाएगी ताकि युवा पीढ़ी उनके संघर्षों से प्रेरणा ले सके। सांसद हिमाद्री सिंह ने क्षेत्र के सभी आदरणीय स्वजनों और समस्त परिजनों से अपील की है कि वे इस श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित होकर स्वर्गीय सिंह के प्रति अपना स्नेह और सम्मान व्यक्त करें। इस आयोजन को लेकर राजेंद्रग्राम में सुरक्षा और आगंतुकों की सुविधा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, जहाँ समाज के हर वर्ग के प्रतिनिधि, राजनीतिक कार्यकर्ता और ग्रामीण अंचलों से आए लोग अपने प्रिय नेता को नमन करने जुटेंगे।

कमिश्नर ने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर घायलों के स्वास्थ्य की ली जानकारी

शहडोल।

कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने अनूपपुर जिले के जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के ग्राम बिजौरा, सरई चौकी, थाना कारणपठार अनूपपुर और उमरिया जिले की सीमा पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने की सूचना मिलने पर देर रात्रि मेडिकल कॉलेज शहडोल पहुंचकर उपचाररत घायलों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की। कमिश्नर ने स्वास्थ्य विभाग अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी घायलों को बेहतर से बेहतर और उच्च स्तरीय इलाज मुहैया कराया जाए। साथ ही कमिश्नर ने घायल व्यक्तियों के परिजनों को ढांढस भी बंधाया। कमिश्नर ने इस दुखद घटना में मृतकों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं।

ज्ञात हो कि जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के ग्राम बिजौरा, सरई चौकी, थाना कारणपठार अनूपपुर और उमरिया जिले की सीमा पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से हादसा हुआ। सभी ग्रामवासी पड़मनिया से पूजा-अर्चना के लिए ग्राम बिजौरा जा रहे थे। इस दुखद हादसे में 6 लोगों की मृत्यु हो गई है, वहीं 22 घायलों का मेडिकल कॉलेज शहडोल में उपचार रत है। इस दुखद हादसे में मृतको के परिजन को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 4-4 लाख एवं संबल योजना के अंतर्गत 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

खबर संक्षेप

जल स्रोत पूजन कर साफ-सफाई एवं संरक्षण हेतु किया गया विशेष कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज कोतमा। 28 मई को गंगा दशहरा के पावन अवसर पर "जल गंगा संवर्धन अभियान" के अंतर्गत नवांकुर संस्था मां अंबे सेवा समिति के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत बरगवा के देवी तालाब में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बगैहटोला के सहयोग से तालाब में जल स्रोत पूजन कर साफ-सफाई एवं संरक्षण हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधिवत पूजा-अर्चना, आरती एवं दीप प्रज्ज्वलन कर जल संरक्षण का संदेश दिया गया साथ ही कलश पूजन जिसमें मातृ शक्तियों की सहभागिता सबसे ज्यादा रही। इस अवसर पर विकास खंड कोतमा समन्वयक सरीमन साकेत, नामांकुर संस्था प्रतिनिधि देवांश रैकवार, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बगैहटोला के अध्यक्ष श्रीमती पूजा द्विवेदी, नवांकुर अध्यक्ष सचिव एवं समाजसेवी पंकज द्विवेदी तथा ग्राम पंचायत के अन्य नागरिकों की सहभागिता के साथ साथ एमएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू छात्र छात्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य जल स्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता एवं जनजागरूकता को बढ़ावा देना रहा, जिसमें सभी उपस्थित जनों ने सक्रिय सहभागिता निभाई जल है तो कल है जल ही जीवन है।

गंगा दशहरा के पावन अवसर पर किया गया जल स्रोत सेवा समागम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज कोतमा। मुख्यमंत्री के कुशल निर्देशन में चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत जल स्रोत सेवा समागम का आयोजन गंगा दशहरा के पावन अवसर पर किया गया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक उमेश पांडे के कुशल नेतृत्व में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड कोतमा, जिला अनूपपुर की नवांकुर संस्था मां अंबे सेवा समिति के तत्वाधान में शिवसागर तालाब, शिव मंदिर स्थित जल स्रोत स्थल पर साफ-सफाई कार्य एवं विधि-विधान से जल स्रोत का पूजन कार्य संपन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम का विकासखंड समन्वयक सरीमन साकेत एवं संस्था के प्रतिनिधि दिलीप शुक्ला के नेतृत्व में किया गया, जिसमें संस्था के सदस्यों एवं स्थानीय लोगों में नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ, समाजसेवी वरिष्ठ नेता हनुमान गर्ग, पार्षद दीपू सोनी, समाज सेवी सुदर्शन रैकवार, देवांश रैकवार, रश्मि रैकवार, आनंद शर्मा, अजय शर्मा एवं अन्य गणमान्य नागरिकों की महत्वपूर्ण सहभागिता रही। कार्यक्रम में बताया गया कि नागसागर तालाब जैसे जल स्रोत नगर की जीवनरेखा हैं। इनकी नियमित साफ-सफाई से जल की गुणवत्ता बनी रहती है, भूजल स्तर बढ़ता है और जलजनित बीमारियों से बचाव होता है। जल है तो कल है के संदेश के साथ सभी को श्रमदान कर जल स्रोतों को अतिक्रमण एवं प्रदूषण से बचाने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी लोगों ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्रोतों को बचाने और स्वच्छ रखने की शपथ ली।

मिला-जुला रहा शनिवार को मौसम का मिजाज

कोतमा। शनिवार को नगर मे लोगो को भीषण गर्मी से कुछ राहत मिली। सुबह तेज धूप थी दोपहर बाद आसमान में बादल छाए रहे मौसम विभाग ने हल्की बूंदाबांदी या गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई है। बादलों और नमी के कारण उमस भरी गर्मी दिनभर बनी रही जिससे दिन का अधिकतम तापमान लगभग 36 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान लगभग 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बादलों की आवाजाही के बावजूद हवा में नमी होने से भारी उमस और बेचैनी महसूस हो रही थी। दोपहर मे बादलों की आवाजाही के कारण लू के थपेड़े पड रहे थे जिसके कारण लोग जरूरी काम से ही घरों से बाहर निकल रहे थे वह भी चेहरे को ढक कर। सडके दोपहर मे सूनी जजर आ रही थी। गर्मी से राहत पाने के लिए गन्ना रस लस्सी नींबू पानी की दुकानों मे लोगों पहुंच रहे थे।

नऊवा ढ़ोढ नदी में बहा लाखों का स्टॉप डैम

बिना रॉयल्टी चोरी की रेत से बने स्टॉप डैम

तकनीकी मापदंडों का सरेआम कत्लेआम

मानपुर।

प्रदेश शासन की अतिमहत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री ग्राम सडक़ एवं अवसंरचना योजना और जल संरक्षण दावों को जमीनी स्तर पर पलीता लगाने का एक सनसनीखेज मामला जनपद पंचायत मानपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत नौगवाँ में सामने आया है। यहां विकास के नाम पर भ्रष्टाचार का ऐसा खेल-खेला गया है, जिसने शासकीय नियमों, वित्तीय शुचिता और तकनीकी मापदंडों की धज्जियां उड़ाकर रख दी हैं। जनता की गाढ़ी कमाई के लाखों रुपए पानी की तरह बहाकर अधिकारियों, सरपंच, सचिव और उपयंत्री की जेबें भरी गई हैं, जबकि जमीनी हकीकत में पानी की एक बूंद भी नहीं रुकी है।

पहली ही बारिश में जमींदोज हुआ नऊवा ढ़ोढ नदी का स्टॉप डैम

ग्राम पंचायत नौगवां के धखोदर रोड पर नऊवा ढ़ोढ नदी में महज 2 वर्ष पहले लाखों की लागत से बना स्टॉप डैम ताश के पत्तों की तरह पानी में बह गया। तकनीकी अंधेरगर्दी का आलम यह था कि डैम के किनारों पर न तो कोई सुरक्षात्मक विंग वॉल (रिटर्न वॉल) बनाई गई और न ही मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए कोई मजबूत बोल्डर पिचिंग की गई। नतीजतन, पहली ही तेज बारिश के थपेड़े यह भ्रष्टाचार का ढांचा झेल नहीं पाया। हद तो यह है कि मौके पर किसी निर्माण एजेंसी, लागत या मद का कोई सूचना बोर्ड तक नहीं लगाया गया, जिससे साफ जाहिर होता है कि जनपद के आला अधिकारियों, ग्राम पंचायत सरपंच-सचिव और लापरवाह उपयंत्री (सब-इंजीनियर) ने मिलकर सबूतों को मिटाने और बंदरबांट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

सरपंच के खेत के सामने बना दिया डैम

भ्रष्टाचार का सबसे शर्मनाक चेहरा तब उजागर हुआ, जब नौगवां के सरपंच मुकेश पटेल ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए नियमों की धज्जियां उड़ाकर सीधे अपने ही खेत के सामने एक और स्टॉप डैम का निर्माण करवा लिया। इस डैम का जनहित या अन्य ग्रामीणों से कोई लेना-देना नहीं है; इसका सीधा लाभ केवल सरपंच की बीसों एकड़ निजी भूमि को सींचने के लिए मिल रहा है।

यह कहता है कानून

मध्यप्रदेश पंचायती राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 के तहत यह मामला सीधे तौर पर हितों के टकराव और पद के दुरुपयोग का है। कोई भी जनप्रतिनिधि केवल अपने निजी आर्थिक या व्यक्तिगत लाभ के लिए सरकारी धन का उपयोग नहीं कर सकता। यदि स्वतंत्र एजेंसी से जांच हुई, तो सरपंच मुकेश पटेल के खिलाफ धारा 40 के तहत पद से बर्खास्तगी और सरकारी राशि के गबन का आपराधिक मुकदमा दर्ज होना तय है। सरपंच महोदय अब ग्राम सभा के प्रस्ताव का रोना रोकर अपना पल्ला झाडऩे की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कानूनन कोई भी बहुमत प्रस्ताव किसी अवैध कार्य को वैध नहीं बना सकता।

कागजों पर सिंचित हो रही भूमि

लोहिटा टोला के पास बिना किसी औचित्य और बिना घनी आबादी के, महज अपनी जेबें भरने के लिए 23 लाख 15 हजार रुपए की भारी-भरकम राशि का एक और रपटा कम स्टॉप डैम खड़ा कर दिया गया। इसकी तकनीकी स्वीकृति क्रमांक 353 (05/02/2024) और प्रशासनिक स्वीकृति क्र. 760/2024/2649 (23/02/2024) है, जिसकी पूर्णता तिथि 15 फरवरी 2026 निर्धारित थी। मौके पर न तो पानी का निकास सही है और न ही एप्रोच रोड। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि पंचायत ने स्टॉप डैम तो खड़े कर दिए, लेकिन आज तक इनमें लोहे के गेट ही नहीं लगाए गए, जब गेट ही नहीं हैं, तो पानी कैसे रुकेगा। इन सभी तथाकथित स्टॉप डैमों में आज बूंद भर पानी नहीं है।

क्या हैं सरकारी मापदंड और कितनी हुई क्षति

नियमों के अनुसार, दो स्टॉप डैम के बीच कम से कम 500 मीटर से 1 किलोमीटर की दूरी (बैकवाटर इफेक्ट नियम) होनी चाहिए, ताकि पानी का प्राकृतिक बहाव न रुके। यहाँ नियमों को ताक पर रख दिया गया। 23-24 लाख की लागत के एक स्टॉप डैम से औसतन 40 से 60 एकड़ भूमि सिंचित होनी चाहिए और कम से कम 15 से 30 किसान परिवारों को सीधा लाभ मिलना चाहिए,

लेकिन नौगवां में रुपए फूंकने के बाद भी आम किसान की जमीन सूखी पड़ी है और लाभ सिर्फ सरपंच को मिल रहा है।

बिना रॉयल्टी की चोरी की रेत और अवैध मुरुम

इस पूरे घोटाले को अंजाम देने के लिए पीयूष ट्रेडर्स नाम की फर्म को मोहरा बनाया गया। दस्तावेजों के मुताबिक, इस फर्म के माध्यम से 35 ट्रॉली रेत 1 लाख 5 हजार और 93 ट्रॉली मुरुम ढुलाई 78,813 का भुगतान आहरित किया गया। टैक्स चोरी की इंतहा देखिए कि नियमों को ठेंगा दिखाते हुए 5 प्रतिशत की जगह सीधे 9 प्रतिशत जीएसटी का फर्जी गणित बैठाया गया। जब उमरिया, कटनी, शहडोल और अनूपपुर जैसे संभाग के जिलों में मुरुम की कोई व्यावसायिक खदान स्वीकृत ही नहीं है, तो पीयूष ट्रेडर्स ने 93 ट्रॉली मुरुम कहाँ से लाकर सप्लाई कर दी? साफ है कि बिना किसी वैध रॉयल्टी के, नदियों का सीना चीरकर चोरी की रेत और अवैध मुरुम इस निर्माण में ठूंस दी गई और सरकारी खजाने से लाखों रुपए डकार लिए गए।

जंगल की जमीन पर भी डाका

भ्रष्टाचार की जड़ें सिर्फ नाले-नदियों तक नहीं हैं, बल्कि वन विभाग की जमीनों तक फैली हैं। सूत्रों के अनुसार, नौगवां पंचायत के बैगा टोला में छूला से लगी जंगल (आरक्षित/संरक्षित) की जमीन पर 2 से 3 वर्ष पहले एक तालाब का निर्माण करा दिया गया। यहां भी सूचना बोर्ड पर कोई वित्तीय जानकारी चश्मा नहीं की गई। सिर्फ एक मेढ़ बनाकर खानापूर्ति की गई और पूरी राशि का आहरण कर लिया गया। इस घोटाले पर जब ग्राम पंचायत के सचिव राम लखन सिंह से जानकारी लेनी चाही, तो वे डर के मारे फोन बंद कर फरार हो गए। वहीं, दफ्तर में बैठकर मूल्यांकन करने वाले और घटिया निर्माण को हरी झंडी देने वाले उपयंत्री भी पूरी तरह इस सिंडिकेट में शामिल हैं।

दूध का दूध और पानी का पानी करे प्रशासन

नदी में बह चुका स्टॉप डैम, बिना गेट के खड़े ढांचे, बिना रॉयल्टी की चोरी की रेत और नियमों को रौंदकर सरपंच के खेत के आगे बना डैम जिला प्रशासन की साख को खुली चुनौती दे रहा है। क्षेत्र के ग्रामीणों और प्रबुद्धजनों ने कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया से मांग की है कि इस पूरे मामले की जनपद स्तर के अधिकारियों से न कराकर, किसी स्वतंत्र प्रादेशिक तकनीकी एजेंसी से उच्च स्तरीय जांच कराई जाए।

इनका कहना है

खेत किसका है, कौन उपयोग करेगा, इससे कोई लेना-देना नहीं रहता।

अभय सिंह ओहरिया
सीईओ जिला पंचायत, उमरिया

महर्षि कश्यप धाम के निर्माण की ओर बढ़ा जैतहरी, वार्ड क्रमांक 5 में भूमि पूजन संपन्न

जैतहरी। नगर परिषद जैतहरी के वार्ड क्रमांक 5 में बहुप्रतीक्षित "महर्षि कश्यप धाम" निर्माण कार्य का भूमि पूजन समारोह श्रद्धा, उत्साह और जनभागीदारी के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता उपस्थित रहे। भूमि पूजन के साथ ही क्षेत्रवासियों के लंबे समय से देखे जा रहे विकास के सपने को नई गति मिली है। कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता ने कहा कि नगर की सुंदरता, सुरक्षा और सांस्कृतिक पहचान को सशक्त बनाने के लिए परिषद लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि दूरदर्शी सोच और योजनाबद्ध विकास के माध्यम से जैतहरी को एक व्यवस्थित एवं आधुनिक नगर के रूप में विकसित किया जा रहा है। "महर्षि कश्यप धाम" का निर्माण न केवल धार्मिक एवं सामाजिक आस्था का केंद्र बनेगा, बल्कि यह नगर की सांस्कृतिक विरासत को भी नई पहचान देगा। भूमि पूजन कार्यक्रम में पार्षदगण, वार्डवासी एवं सामाजिक जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर सकारात्मक माहौल देखने को मिला और नागरिकों ने नगर परिषद के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अनिल गुप्ता, नाथूराम राठौर, शेख अब्दुल जलील, कैलाश मरावी, आनंद अग्रवाल, अनिल कुमार गुप्ता, गिरधारी लाल गुप्ता, उत्तमचंद गुप्ता, संदीप गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, रामखेलावन गुप्ता, रामकिशोर गुप्ता, भगवत प्रसाद गुप्ता, राहुल गुप्ता, एवं दिनेश कोल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी के उज्ज्वल एवं समृद्ध नगर निर्माण के संकल्प के साथ हुआ।

गांव की चौपाल पर प्रशासन, कलेक्टर ने ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर शीघ्र निराकरण का दिया

उमरिया।

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत ग्राम माला में आयोजित रात्रि चौपाल में पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण का आश्वासन दिया। चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने पेयजल, सडक़, विद्युत, आवास, राशन, राजस्व प्रकरण, दिव्यांग पेंशन, किसान सम्मान निधि, स्कूल परिसर में बाउंड्रीवाल निर्माण, विद्यालय उन्नयन, फौती नामांतरण, पशु शेड निर्माण भुगतान सहित विभिन्न स्थानीय समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

कलेक्टर श्रीमती सहाय ने सभी शिकायतों एवं मांगों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्राप्त शिकायतों का नियमानुसार परीक्षण कर पात्र मामलों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। चौपाल के दौरान कलेक्टर ने बच्चों से विद्यालय में मिलने वाले मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, पाठ्यपुस्तकों एवं गणवेश वितरण के संबंध में जानकारी ली। बच्चों ने बताया कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं आवश्यक सुविधाएं मिल रही हैं। ग्रामीणों द्वारा पेयजल संकट की शिकायत किए जाने पर जांच में पाया गया कि पंप ऑपरेटर की अनुपलब्धता के कारण जल आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इस पर कलेक्टर ने संबंधित ठेकेदार को बुलाकर समस्या के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। वहीं आंगनबाड़ी केंद्रों में गुणवत्ताविहीन भोजन वितरण की शिकायत पर महिला एवं बाल विकास विभाग को जांच कर गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।चरण गंगा नदी के आसपास अतिक्रमण की शिकायत पर कलेक्टर ने ग्रामीणों को ग्राम पंचायत के माध्यम से प्रस्ताव भेजने को कहा, ताकि नियमानुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा सके। ग्रामीणों ने गांव में शांतिधाम नहीं होने की समस्या भी बताई। इस पर कलेक्टर ने उपयुक्त भूमि चिन्हित कर ग्राम पंचायत को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए और आश्वासन दिया कि प्रस्ताव प्राप्त होने के बाद शांतिधाम का निर्माण कराया जाएगा। रात्रि चौपाल में ग्रामीण स्वतंत्र सिंह ने प्राथमिक शाला लखुमर के जर्जर भवन की समस्या उठाई। इस पर कलेक्टर ने डीपीसी को भवन का निरीक्षण कर आवश्यकतानुसार मरम्मत कराने के निर्देश दिए।

इसी दौरान ग्राम माला निवासी लक्ष्मी बैगा ने गंभीर बीमारी से पीड़ित होने के कारण उपचार हेतु आर्थिक सहायता की मांग की। कलेक्टर ने उन्हें आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।रात्रि चौपाल में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सत्या, ए सडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, एसडीओपी पी.एल. परस्ते, डिप्टी कलेक्टर प्रत्युष श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल और विधायक जालम सिंह पटेल ने चलाया स्वच्छता अभियान

मां नर्मदा की निर्मलता हेतु जनप्रतिनिधियों का श्रमयोग

हरिभूमि न्यूज़अमरकंटक।

पवित्र नर्मदा की अविरलता और निर्मलता को अक्षुण्ण बनाए रखने के संकल्प के साथ मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल तथा गोटेगांव विधायक जालम सिंह पटेल ने अपने लगभग 250 सहयोगियों एवं शुभेच्छुओं के साथ अमरकंटक में दो दिवसीय नर्मदा स्वच्छता एवं संरक्षण अभियान चलाकर जनभागीदारी का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। प्रदेश सरकार के जल गंगा संवर्धन एवं संरक्षण अभियान के अंतर्गत आयोजित इस विशेष अभियान में जनप्रतिनिधियों ने स्वयं नदी और बांध के जल में उतरकर श्रमदान किया तथा समाज को जल स्रोतों के संरक्षण का संदेश दिया। अभियान का प्रथम चरण 29 मई शुक्रवार को अमरकंटक के पावन रामघाट क्षेत्र में संपन्न हुआ, जबकि दूसरे दिन 30 मई शनिवार को प्रातः 8 बजे से नर्मदा उद्गम क्षेत्र के समीप स्थित पुष्कर बांध के उत्तर एवं दक्षिण तट तथा उसके नीचे स्थित माधव सरोवर बांध में व्यापक स्वच्छता अभियान संचालित किया गया। इस दौरान सागर, दमोह, नरसिंहपुर, गोटेगांव एवं गाडरवारा सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए लगभग 250 सहयोगियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए श्रमदान

किया। स्वच्छता अभियान के दौरान नर्मदा तटों और बांधों में फैली घास, जलकुंभी तथा श्रद्धालुओं द्वारा छोड़े गए प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को निकालकर सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया। मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल और विधायक जालम सिंह पटेल स्वयं अपने सहयोगियों के साथ सफाई कार्य में जुटे रहे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने किसी औपचारिकता के बजाय सेवा और समर्पण का परिचय देते हुए नदी में उतरकर श्रमदान किया तथा उपस्थित लोगों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि मां नर्मदा केवल एक नदी नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था, संस्कृति और जीवन का आधार हैं। उनकी स्वच्छता और निर्मलता बनाए रखना हम सभी का नैतिक दायित्व है। यदि नर्मदा सुरक्षित रहेंगी तो हमारा भविष्य भी सुरक्षित रहेगा।

उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग से जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। अभियान के दौरान विधायक जालम सिंह पटेल ने भी नर्मदा संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि प्राकृतिक जल स्रोतों का संरक्षण केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने लोगों से नर्मदा तटों को स्वच्छ बनाए रखने और कचरा न फैलाने की अपील की। पूरे अभियान के दौरान दोनों जनप्रतिनिधि कार्यकर्ताओं और सहयोगियों का उत्साहवर्धन करते रहे तथा उन्हें नदियों, जलाशयों और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का महत्व समझाते रहे। उल्लेखनीय है कि मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल और विधायक जालम सिंह पटेल को क्षेत्र में नर्मदा भक्त एवं नर्मदा पुत्र के रूप में जाना जाता है। मां नर्मदा के प्रति उनकी गहरी आस्था और समर्पण लंबे समय से जनचर्चा का विषय रहा है तथा वे प्रतिवर्ष नर्मदा स्वच्छता और संरक्षण के लिए श्रमदान करते आए हैं। वर्ष 2024-25 में व्यक्तिगत एवं पारिवारिक कारणों से यह अभियान आयोजित नहीं हो सका था, किंतु इस वर्ष पुनः बड़े पैमाने पर अभियान चलाकर दोनों बंधुओं ने नर्मदा संरक्षण के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। स्थानीय नागरिकों, श्रद्धालुओं एवं पर्यावरण प्रेमियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनभागीदारी आधारित पर्यावरण संरक्षण का अनुकरणीय और प्रेरणादायक उदाहरण बताया। नर्मदा तट पर श्रमदान का यह दृश्य केवल स्वच्छता अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति, संस्कृति और आस्था के संरक्षण के प्रति समाज को जागृत करने वाला एक सशक्त संदेश बनकर उभरा।

खबर संक्षेप

लंबित पंजीयन प्रकरणों पर तत्परता पूर्वक करें कार्यवाही

कटनी। मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल 2.0) योजना के अंतर्गत लंबित पंजीयन और अनुग्रह सहायता के प्रकरणों में समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तत्परता पूर्वक कार्यवाही करें। इसकी प्रगति की समीक्षा आगामी साप्ताहिक समय सीमा की बैठक में की जाएगी। इस आशय के निर्देश जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा है कि राज्य शासन की अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जनहितैषी योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए शत प्रतिशत पात्र आवेदकों को लाभान्वित कराएं। इस जन कल्याणकारी योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने वाली ग्राम पंचायतों के विरुद्ध जवाबदेही तय करते हुए कार्यवाही हेतु प्रस्ताव भेजें।

प्रशिक्षण लेने भोपाल जाएंगे दो तकनीकी अधिकारी

कटनी। जिले की ग्रामीण जलप्रदाय योजनाओं के बल्क ग्रामों की योजनाओं के दुरुस्त, सुचारु संचालन और संधारण हेतु प्रशिक्षण लेने हेतु जिले से दो तकनीकी अधिकारियों को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा भोपाल में आयोजित प्रशिक्षण सह कार्यशाला में उपस्थित होने के आदेश जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने दिए है। अवगत होवें कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा एकल ग्रामीण जल प्रदाय योजनाओं का निर्माण कार्य एवं मध्यप्रदेश जल निगम मर्यादित द्वारा समूह ग्रामीण जल प्रदाय योजनाओं का निर्माण कार्य जल जीवन मिशन अंतर्गत भूजल एवं सतही जल स्त्रोतों के माध्यम से किया जा रहा है। जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर द्वारा जारी आदेश के मुताबिक अभिषेक त्रिपाठी सहायक यंत्री,जनपद पंचायत कटनी 1 जून से 6 जून तक एवं अमित गुप्ता उपयंत्री, जनपद पंचायत रीठी 8 जून से 13 जून तक नियत तिथियों में आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंध अकादमी भोपाल में उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण प्रारंभ के एक दिन पहले प्रशिक्षण स्थल में उपस्थित होकर रिपोर्ट करेंगे।

अभियान चलाकर जल स्त्रोतों के संरक्षण का दिया संदेश

कटनी। नगर निगम द्वारा शहर के जल स्त्रोंतों के आसपास स्वच्छता एवं जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड स्थित शनि मंदिर तालाब परिसर के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान तालाब के आसपास फैली गंदगी, प्लास्टिक कचरे एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को हटाकर क्षेत्र की व्यापक साफ-सफाई की गई। निगम अमले द्वारा नागरिकों को जल स्त्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने तथा तालाबों में कचरा न फेंकने की अपील भी की गई। अभियान के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि जल स्त्रोत केवल प्राकृतिक धरोहर ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संतुलन एवं आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य संपत्ति हैं। तालाबों की स्वच्छता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। नगर निगम द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के अभियान संचालित कर नागरिकों को स्वच्छता एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

सगमा में एक माह की श्रीराम कथा का शुभारंभ

सिलौंडी। समीपवर्ती ग्राम सगमा में एक माह की श्रीराम कथा का शुभारंभ हुआ। कथा का वाचन चंदू लाल बागरी करेंगे। शुक्रवार को कथा के शुभारंभ में श्री राम कथा सुनने के महत्व को बताया। श्री राम का जीवन हम सभी के लिए आदर्श है कि किसी प्रकार अपने मां पिता के वचन के पालन में पूरा जीवन वन में रहें।हम सभी को भी अपने मां पिता की आज्ञा में पालन करना होगा ।जिसमें ग्राम के सभी लोग शामिल होगे।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर

बच्चे उत्साह के साथ सीख रहे योगा व्यायाम और खेल

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर बिरसिंहपुर पाली में जिला प्रशासन, उमरिया पुलिस,नगर पालिका परिषद, पाली पुलिस खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहयोग से युवा टीम उमरिया के द्वारा 35 दिवसीय खेल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है।

उमरिया।

जिसमें सैकड़ों बच्चे शामिल होकर अपने अंदर छिपे हुनर को निखारने पसीना निकाल रहे हैं। शिविर के माध्यम से बच्चों को कई खेलकूद सीखने मिल रहा है। खेलकूद शिविर को लेकर बच्चों में काफी उत्साह है और खुशी-खुशी शिविर में भाग लेकर खेलकूद सीख रहे हैं।ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में भाग लेकर बच्चे ग्रीष्मकालीन छुट्टियों का भरपूर उपयोग कर खुद को तराशने जुटे हैं। सुबह 5 बजे से खेल मैदान पहुंचकर प्रशिक्षकों की मौजूदगी में कई खेल सीख रहे हैं, जिससे बच्चों के अंदर खेल का हुनर पैदा हो रहा है। शहडोल संभाग कमिश्नर सुरभि गुप्ता ,कलेक्टर राखी सहाय, पुलिस अधीक्षक विजय भगवानी, जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह के निर्देशानुसार व खेल एवं युवा कल्याण विभाग जिला अधिकारी व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सत्या,नगर पालिका परिषद पाली मुख्य अधिकारी भूपेंद्र सिंह, थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा के मार्गदर्शन पर युवा टीम संयोजक हिमांशु तिवारी के नेतृत्व पर जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया के द्वारा 35 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। टीम संयोजक हिमांशु तिवारी ने जानकारी देते हुए कहा कि एक मई से ग्रीष्म कालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जो आगामी 5 जून तक चलेगा।इस कैम्प में बच्चों को विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण कोच द्वारा दिया जा रहा है। शिविर को लेकर बच्चों में भी खासा उत्साह है। बड़ी संख्या में बच्चे हर दिन सुबह यहां खेलों का प्रशिक्षण लेने आते हैं। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित यह शिविर बच्चों के लिए पूर्णतः निश्शुल्क है। जिले में खेल का वातावरण बनाने, नए खिलाड़ियों का रूझान खेलों में बढ़ाने और उनमें खेल के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से विकासखंड स्तर पर 35 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का मूल उद्देश्य नौनिहालों के मन में खेल भावना प्रेरित कर खेल क्षेत्र की ओर अग्रसर करना तथा उन्हे रूचि अनुसार खेल की बारीकियों को समझाना है, जिससे बच्चे खेल प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन कर सकें। प्रशिक्षण शिविर में सभी चिन्हित खेलों को कोच एवं वरिष्ठ खिलाड़ियों के माध्यम से नौनिहालों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस दौरान कैम्प संयोजक हिमांशु तिवारी,अभिनव द्विवेदी,राहुल सिंह, योगा कोच शिवराम सिंह, नेहा सिंह,,रुद्र प्रधान,अतिव्य रजक,सत्यम सेन,स्नेहा सिंह,योशोदा कोल,चारवी तिवारी, पूर्वी तिवारी,दीप्ती सिंह, श्रद्धा सिंह परिहार, दिशा पाठक, निरंजन कुशवाहा, शुभम पटेल, ऋषभ रजक, भक्ति सिंह परिहार, सानिया सिंह, मानवी सिंह, श्रेयांश द्विवेदी, अमन विश्वकर्मा एवं सैकड़ों की संख्या में बच्चे उपस्थित रहे।

दिव्यांगजन समाज की महत्वपूर्ण शक्ति, उनके सशक्तिकरण के लिए सरकार प्रतिबद्धः कलेक्टर

सामाजिक अधिकारिता शिविर में 97 दिव्यांगजनों को मिले सहायक उपकरण

उमरिया।

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय तथा मध्य प्रदेश सरकार के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के संयुक्त प्रयासों से दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण एवं समावेशी विकास के उद्देश्य से आयोजित सामाजिक अधिकारिता शिविर में जिले के 97 चिन्हित दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायक उपकरण वितरित किए गए। सामुदायिक भवन उमरिया में आयोजित इस कार्यक्रम में एडिप योजना के अंतर्गत एलिम्को द्वारा उपकरण उपलब्ध कराए गए।

केंद्र एवं राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि दिव्यांगजन समाज की मुख्यधारा से जुड़ें, आत्मनिर्भर बनें तथा उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध हों। इसी उद्देश्य से लाभार्थियों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल,ट्राइसाइकिल, कृत्रिम हाथ-पैर, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, बैसाखी, छड़ी, सीपी चेयर,ब्लाइंड केन एवं अन्य सहायक उपकरण प्रदान किए गए। इन उपकरणों से उनकी गतिशीलता,स्वतंत्रता और दैनिक जीवन की सुगमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि दिव्यांगजन समाज की महत्वपूर्ण शक्ति हैं और उनमें विशिष्ट प्रतिभाएं एवं क्षमताएं विद्यमान होती हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार और मध्य प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों के कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए पेंशन, छात्रवृत्ति, कौशल विकास, शिक्षा, रोजगार और सहायक उपकरण वितरण जैसी अनेक जनहितैषी योजनाएं संचालित कर रही हैं। शासन का उद्देश्य केवल सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर एवं सम्मानजनक जीवन के लिए सक्षम बनाना है। कलेक्टर ने कहा कि सहायक उपकरण दिव्यांगजनों के लिए केवल संसाधन नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, स्वतंत्रता और नए अवसरों के माध्यम हैं। इनकी सहायता से लाभार्थी अपनी दैनिक गतिविधियों को अधिक सहजता से संपादित कर सकेंगे तथा सामाजिक एवं आर्थिक जीवन में सक्रिय भागीदारी निभा पाएंगे।

कार्यक्रम में उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग श्री अमन दुबे ने एनसीओआरडी समिति के अंतर्गत उपस्थित जनों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। इसके पश्चात मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा लाभार्थियों को सहायक उपकरण वितरित किए गए।

दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हुए कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी व्ही.एस. चंदेल, जनसंपर्क अधिकारी अरुणेंद्र सिंह, एलिम्को की टीम तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

10 हितग्राहियों को वितरित किए गए दुधारू पशु

उमरिया। मुख्यमंत्री दुधारू पशु प्रदाय योजना के अंतर्गत 10 बैगा हितग्राहियों को दुधारू पशुओं का वितरण किया गया। पशुओं के वितरण से पूर्व निर्धारित मापदंडों के अनुसार विकासखंड पशु चिकित्सा अधिकारी, पशु चिकित्सालय मानपुर एवं करकेली की उपस्थिति में चार बार दुग्ध परीक्षण कराया गया। जिन हितग्राहियों को दुधारू पशु प्रदाय किए गए, उनमें बृजलाल बैगा (ग्राम करकेली, करही टोला), जुगराजी बैगा (ग्राम करकेली, करही टोला), रासजीवन बैगा (ग्राम खुटार), कौशल बैगा (ग्राम दुलहरा), सीता बैगा (ग्राम बमेरा), पटवारी बैगा (ग्राम बमेरा), रामरशील बैगा (ग्राम छपरौड़), गुलाब बाई बैगा (ग्राम मझखेता), दीना बैगा (ग्राम मानपुर) तथा भूरीबाई बैगा (ग्राम मझखेता) शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश सरकार जनजातीय समुदायों के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही है। मुख्यमंत्री दुधारू पशु प्रदाय योजना के माध्यम से विशेष रूप से बैगा जैसी विशेष पिछड़ी जनजातियों को स्वरोजगार एवं आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि होने के साथ जीवन स्तर में भी सुधार हो रहा है।

इस अवसर पर उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं श्री अविनाश,ग्राम पंचायत पाली (विकासखंड करकेली) के सरपंच लालू यादव सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

इटौली में श्रीमद्भावगत कथा का हो रहा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिलौड़ी

सिलौंडी क्षेत्र के ग्राम इटोली में 24 से 31 मई तक संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन ग्राम वासियों के सहयोग से करवाया जा रहा है। कथा का वाचन बरौंधा से पधारे महाराज मृत्युंजय चतुर्वेदी के द्वारा किया जा रहा है। कथावाचक के द्वारा भगवान श्री कृष्ण और रूक्मणी विवाह की कथा को का प्रसंग सुनाया गया। संगीतकारों ने धार्मिक गीतों पर प्रस्तुति दी।

संध्या आरती के बाद क्षेत्र वासियों के आस्था का केंद्र श्री सिद्धन धाम लोढ़ा पहाड़ आश्रम से महंत सीतारामशरण का कार्यक्रम में आगमन हुआ। महंत का बैंड बाजे कलश यात्रा के साथ स्वागत वंदन किया गया। भक्तों ने महंत का पूजन अर्चन किया। तत्पश्चात महंत ने सीताराम संकीर्तन का गायन करते हुए भक्तों को बताया कि जन्म जन्मांतर के पुण्य प्रताप उदय होने के बाद अधिक मास जैसे पावन पर्व पर भागवत कथा का वाचन और श्रवण करने का सौभाग्य ग्रामवासियों को प्राप्त हुआ है। लगातार गांव में जिस प्रकार से हर वर्ष धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवाया जा रहा है वह सराहनीय है और कथा का वाचन करने वाले भी विद्वान है।

कथावाचक गुरुदेव ने भी महंत की प्रशंसा करते हुए बताया कि जिस प्रकार से लगातार आपकी कथाओं के माध्यम से धर्म का प्रचार हो रहा है और हमारे इस कार्यक्रम में भगवान के जन्म के एक दिन पहले पहले संतश्री का आगमन होने पर यह प्रतीत होता है कि यह अनुष्ठान पूर्ण रूप से सफल हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

अनूपपुर में गूंजा सहकार का स्वर

क्रेडिट सोसाइटी सम्मेलन में जुटे प्रदेशभर के सहकारिता प्रतिनिधि

बिना संस्कार नहीं सहकार, बिन सहकार नहीं उद्धार के मंत्र के साथ हुआ भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज‹अनूपपुर।

सहकारिता के क्षेत्र में नई ऊर्जा और नई दिशा देने के उद्देश्य से सहकार भारती मध्य प्रदेश द्वारा क्रेडिट सोसाइटी सम्मेलन का भव्य आयोजन अनूपपुर में संपन्न हुआ। सम्मेलन में प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया। पूरे आयोजन में सहकारिता की भावना, संगठन की मजबूती और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की स्पष्ट झलक दिखाई दी। कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश प्रमुख क्रेडिट सोसायटी प्रकोष्ठ डॉ. गोपाल निगम तथा महामंत्री राजेश श्रीवास्तव के प्रयास से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सम्मेलन का मूल संदेश "बिना संस्कार नहीं सहकार, बिन सहकार नहीं उद्धार" रहा। वक्ताओं ने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक व्यवस्था नहीं बल्कि समाज को जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम है। यदि सहकारिता में संस्कार और सेवा की भावना जुड़ जाए तो समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाया जा सकता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिलीप पाटिल राष्ट्रीय मंत्री सहकार भारती रहे। विशिष्ट अतिथियों में शिरीष देशपांडे राष्ट्रीय प्रमुख क्रेडिट सोसायटी प्रकोष्ठ, राकेश चौहान प्रदेश महामंत्री, राधेश्याम जलछत्री प्रदेश संगठन मंत्री, डॉ. गोपाल निगम प्रदेश प्रमुख क्रेडिट सोसायटी प्रकोष्ठ, राजकुमार श्रीवास्तव प्रदेश सह प्रमुख, छाया सैनी प्रदेश सह प्रमुख तथा धर्मेंद्र सिंह दांगी प्रांत संगठन मंत्री प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सम्मेलन में स्थानीय स्तर पर जिला अध्यक्ष अरविंद मिश्रा, मनोज मिश्रा, आशुतोष त्रिपाठी, जिला संघ चालक डॉ. राजेंद्र तिवारी, जिला महामंत्री डॉ. देवेंद्र तिवारी, वंदना सोनी, डॉ. अनीता निगम, श्रीमती संगीता शुक्ला, पवन पाण्डेय, राम करण मिश्रा, नगरपालिका पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सत्यभामा गुप्ता, श्रीमती रश्मि खरे, जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रभा श्रीवास्तव सहित अनेक पदाधिकारी, सहकारी प्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण महिला श्रमिक एवं निर्माण कोऑपरेटिव सोसाइटी द्वारा लगाए गए गृह उत्पादों के स्टॉल रहे। महिलाओं द्वारा निर्मित घरेलू उत्पादों को देखने और खरीदने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। संस्था द्वारा महिलाओं के उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के प्रयासों की सराहना की गई। वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार के प्रयास महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए क्रेडिट सोसाइटी प्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा पत्रकार बंधुओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। पूरे आयोजन के दौरान सहकारिता, स्वरोजगार, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर गंभीर चर्चा हुई। सम्मेलन के समापन अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि सहकार भारती का उद्देश्य केवल संस्थाओं का संचालन नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। अनूपपुर का यह सम्मेलन सहकारिता आंदोलन को नई गति देने वाला साबित होगा और आने वाले समय में प्रदेशभर में सहकारिता आधारित विकास की नई मिसाल स्थापित करेगा। सम्मेलन में उपस्थित सभी प्रतिनिधियों ने सहकारिता को जन-जन तक पहुंचाने और समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

जिला उपभोक्ता प्रतितोषण आयोग ने सुनाया फैसला

ट्रेन में यात्रा के दौरान बैग व कपड़ों को चूहों ने कुतरा, यात्री को 15 हजार रूपये देने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग कटनी ने उपभोक्ता अधिकारों के संरक्षण की दिशा में एक फैसला सुनाया है। आयोग ने ट्रेन यात्रा के दौरान चूहों द्वारा एक यात्री के बैग और कपड़ों को कुतरे जाने को 'सेवा में घोर लापरवाही' माना है। इस कृत्य के लिए रेलवे प्रशासन को उत्तरदायी ठहराते हुए आयोग ने पीड़ित यात्री को 15 हजार रुपये क्षतिपूर्ति प्रदान करने का आदेश जारी किया है।

प्रकरण के अनुसार नगर की आदर्श कॉलोनी के निवासी विपिन दुबे ने वर्ष 2020 में कटनी से कल्याण (मुंबई) स्टेशन तक की यात्रा के लिए वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में आरक्षण कराया था। यात्रा के दौरान उन्होंने अपने सामान को नियत व सुरक्षित स्थान पर रखा था। सफर के मध्य जब उन्होंने देखा तो चूहों ने उनके बैग को बुरी तरह कुतर दिया था, जिससे बैग में रखे कीमती वस्त्र और अन्य आवश्यक सामग्री पूरी तरह नष्ट हो गई।

यात्री द्वारा तत्समय रेलवे के संबंधित अधिकारियों से लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी, किंतु प्रशासन की ओर से कोई संवेदनात्मक या संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई। अंततः न्याय की आस में पीड़ित ने जिला उपभोक्ता फोरम की शरण ली।

मामले की विस्तृत सुनवाई करते हुए जिला उपभोक्ता आयोग कटनी ने रेलवे की दलीलों को खारिज कर दिया। आयोग ने अपने आदेश में स्पष्ट कहा कि रेलवे प्रशासन यात्रियों से निर्धारित शुल्क वसूलने के बाद उन्हें एक सुरक्षित, स्वच्छ और गरिमापूर्ण यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के अपने विधिक दायित्व से विमुख नहीं हो सकता। यात्रा के दौरान चूहों की मौजूदगी और सामान का नुकसान होना सीधे तौर पर सेवा में कमी को दर्शाता है, जिससे उपभोक्ता को भारी मानसिक, शारीरिक एवं आर्थिक संताप से गुजरना पड़ा।

आयोग ने पीड़ित यात्री के पक्ष में फैसला सुनाते हुए रेलवे को मानसिक एवं शारीरिक क्षति के लिये 5,000 रूपये, वाद व्यय 5,000 रूपये, क्षतिग्रस्त सामान का मुआवजा 5,000 रूपये देने के आदेश जारी किये हैं। मामले में आवेदक विपिन दुबे की ओर से शहर के वरिष्ठ अधिवक्ता मौसुफ बिट्टू एवं अधिवक्ता प्रमोद तिवारी ने पैरवी की।

39 घायलों का मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में चल रहा है इलाज

ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से 6 लोगों की हुई मौत

4-4 लाख आर्थिक सहायता, मुख्यमंत्री ने व्यक्त की शोक संवेदना

कमिश्नर, कलेक्टर पहुँचे मेडिकल कालेज

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले की सीमा क्षेत्र में शनिवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 6 हो गई है। करन पठार थाना क्षेत्र के बिजौरा के पास श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई थी। हादसे में 41 लोग घायल हुए हैं। इनमें से कई की हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, ग्राम पड़मनिया से करीब 50 ग्रामीण ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर ग्राम बिजौरा पूजा-अर्चना (पुजहाई) कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान शनि धाम के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। ट्रॉली पलटते ही घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और कई लोग उसके नीचे दब गए। हादसे की सूचना मिलते ही पाली एसडीएम मीनाक्षी बंजारे और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से ट्रॉली के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला गया। घायलों को तत्काल एम्बुलेंस के जरिए पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्रारंभिक जानकारी में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। इसके बाद पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के दौरान दो अन्य घायलों ने दम तोड़ दिया। वहीं गंभीर हालत में शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर किए गए दो और घायलों की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस तरह मृतकों की संख्या बढ़कर छह हो गई है। हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग ग्राम पड़मनिया के निवासी बताए जा रहे हैं। मृतकों की पहचान घनश्याम सिंह (45), सहबल बैगा (55), भूपत सिंह (50), बीर सिंह (60), धर्मपाल (15) और कृष्णपाल सिंह (40) के रूप में हुई है। हादसे में कुल 41 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 22 गंभीर घायलों का शहडोल मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। कुछ घायलों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। एक गंभीर मरीज को देर रात जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली और शहडोल संभागायुक्त सुरभि गुप्ता व उमरिया कलेक्टर राखी सहाय ने अस्पताल व मेडिकल कॉलेज शहडोल पहुंचे। उन्होंने घायलों का हालचाल जाना और डॉक्टरों को बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट लिखा अनूपपुर जिले में पुष्पराजगढ़ सड़क दुर्घटना में 6 लोगो की मौत और घायलों के लिए इस दुख की घड़ी में परिवार वालो के लिए शोक संवेदना व्यक्त की है।

अमरकंटक में आसमानी आफत का कहर

आकाशीय बिजली की चपेट में आए युवक-युवती की मौत, किशोरी घायल

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्यप्रदेश की पावन धार्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक शनिवार को एक दर्दनाक हादसे की साक्षी बनी, जब अचानक बदले मौसम के बीच गिरी आकाशीय बिजली ने दो युवा जिंदगियों को असमय काल के गाल में समा दिया। नगर परिषद अमरकंटक के वार्ड क्रमांक-2 बराती क्षेत्र में शाम लगभग चार बजे तेज आंधी, गरज-चमक और मूसलाधार वर्षा के दौरान हुई इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और स्तब्धता का वातावरण व्याप्त हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बराती क्षेत्र में आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के समापन उपरांत भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर तीन युवक-युवतियां अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान मौसम ने अचानक करवट ली और तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली धरती पर आ गिरी। बिजली की चपेट में आने से 18 वर्षीय हर्ष टांडिया और 17 वर्षीय आरती वर्मा गंभीर रूप से झुलस गए, जबकि 17 वर्षीय राधा भी इसकी चपेट में आकर घायल हो गई। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय नागरिकों ने तत्परता दिखाते हुए तीनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरकंटक पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने जांच उपरांत हर्ष टांडिया और आरती वर्मा को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल किशोरी राधा का उपचार चिकित्सकीय निगरानी में जारी है। इस दुखद घटना की सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। अचानक हुए इस हादसे ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं और पूरे बराती क्षेत्र को गमगीन कर दिया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की है। घटना के संबंध में अधिकारियों ने बताया कि हादसे के समय क्षेत्र में तेज आंधी-तूफान के साथ लगातार मूसलाधार बारिश हो रही थी तथा आसमान में लगातार बिजली चमक रही थी। इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरने से यह दुखद घटना हुई। प्रशासन एवं पुलिस द्वारा आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। प्राकृतिक आपदा के इस मार्मिक हादसे ने एक बार फिर खराब मौसम के दौरान सतर्कता बरतने की आवश्यकता को रेखांकित किया है। अमरकंटक सहित आसपास के क्षेत्रों में लगातार बदल रहे मौसम और आकाशीय बिजली की घटनाओं को देखते हुए प्रशासन ने नागरिकों से खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों में जाने से बचने की अपील की है।

खबर का असर

प्रमुख सचिव ने लिया संज्ञान, नगरीय प्रशासन के निर्देश पर हटाए गए प्रभारी सीएमओ

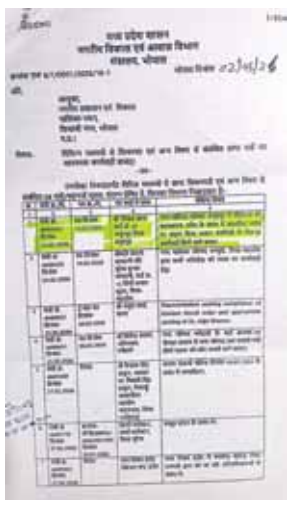

नगर पालिका अनूपपुर में सीएमओ की पदस्थापना अवैध

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। नगर पालिका परिषद अनूपपुर में मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) की पदस्थापना को लेकर उठे विवाद का बड़ा असर सामने आया है। सा मा जि क कार्यकर्ता नौशाद खान द्वारा प्रमुख सचिव, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग को भेजी गई शिकायत पर शासन स्तर पर संज्ञान लिया गया। प्रमुख सचिव कार्यालय से मामले की जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए, जिसके बाद अनूपपुर नगर पालिका में पदस्थ प्रभारी सीएमओ प्रदीप झरिया को उनके दायित्वों से हटा दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नौशाद खान ने नगर पालिका परिषद अनूपपुर में प्रभारी सीएमओ की पदस्थापना को नियम विरुद्ध बताते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया था कि पूर्व सीएमओ के सेवानिवृत्त होने के बाद राज्य शासन द्वारा किसी अधिकारी की विधिवत नियुक्ति नहीं की गई, इसके बावजूद प्रभारी अधिकारी द्वारा सीएमओ के अधिकारों का उपयोग किया जा रहा था।

प्रमुख सचिव कार्यालय ने मांगी रिपोर्ट

शिकायत प्राप्त होने के बाद प्रमुख सचिव कार्यालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए नगरीय प्रशासन विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। विभाग द्वारा शिकायत की प्रारंभिक जांच कराई गई, जिसमें पदस्थापना संबंधी दस्तावेजों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की समीक्षा की गई। शासन स्तर पर संज्ञान लिए जाने के बाद नगर पालिका प्रशासन में हलचल तेज हो गई और पूरे मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों से तलब की गई।

प्रभारी सीएमओ को हटाया गया

सूत्रों के अनुसार, विभागीय स्तर पर समीक्षा के बाद अनूपपुर नगर पालिका में कार्यरत प्रभारी सीएमओ प्रदीप झरिया को उनके प्रभार से मुक्त कर दिया गया। इस कार्रवाई को शिकायत के बाद हुई प्रशासनिक प्रक्रिया का परिणाम माना जा रहा है। हालांकि विभाग की ओर से इस संबंध में विस्तृत आधिकारिक टिप्पणी सामने नहीं आई है, लेकिन नगर पालिका में हुए इस बदलाव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि शासन ने मामले को गंभीरता से लिया है।

शिकायत में उठाए गए थे कई कानूनी प्रश्न

नौशाद खान ने अपने आवेदन में मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1961 की विभिन्न धाराओं का हवाला देते हुए दावा किया था कि सीएमओ की नियुक्ति राज्य शासन के वैधानिक आदेशों के अनुरूप होना आवश्यक है। उन्होंने यह भी आशंका जताई थी कि यदि नियुक्ति प्रक्रिया वैध नहीं है तो उस अवधि में लिए गए प्रशासनिक निर्णयों और वित्तीय स्वीकृतियों की वैधानिकता पर भी प्रश्न उठ सकते हैं।

प्रशासनिक पारदर्शिता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

स्थानीय स्तर पर इस कार्रवाई को प्रशासनिक जवाबदेही और पारदर्शिता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नागरिकों का कहना है कि यदि किसी नियुक्ति या पदस्थापना को लेकर शिकायत सामने आती है तो उसकी निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है, ताकि शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर जनता का विश्वास बना रहे।

खबर का असर

नगर पालिका अनूपपुर में सीएमओ की पदस्थापना को लेकर उठाए गए सवालों पर हरिभूमि मे प्रकाशित खबर और की गई शिकायत के बाद शासन स्तर पर कार्रवाई होना यह दर्शाता है कि जनहित से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से लिया जा रहा है। प्रमुख सचिव द्वारा संज्ञान लेने और उसके बाद प्रभारी सीएमओ को हटाए जाने की कार्रवाई ने यह संदेश दिया है कि प्रशासनिक पदों पर नियुक्ति एवं पदस्थापना निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुरूप होना आवश्यक है।

भाजपा नेताओं ने एमबी पावर की फ्लाई ऐश परिवहन व्यवस्था पर खोला मोर्चा विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रशासन व कंपनी प्रबंधन को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जैतहरी स्थित एमबी पावर प्लांट से निकलने वाली फ्लाई ऐश (राखड़) के परिवहन को लेकर अब जनाक्रोश राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर खुलकर सामने आने लगा है। क्षेत्र में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं, ओवरलोड वाहनों की बेलगाम आवाजाही, उड़ती राख से फैलते प्रदूषण और सड़कों की बदहाली को लेकर विधायक बिसाहूलाल सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष हीरा सिंह श्याम, नगर पालिका परिषद पसान अध्यक्ष रामअवध सिंह तथा नगर परिषद जैतहरी अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता ने अलग-अलग ज्ञापन सौंपकर प्रशासन और कंपनी प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि एमबी पावर प्लांट से प्रतिदिन सैकड़ों भारी वाहन फ्लाई ऐश लेकर निकलते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में वाहन निर्धारित क्षमता से अधिक भार लेकर सड़कों पर दौड़ रहे हैं। इन ओवरलोड ट्रकों ने न केवल सड़क सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है बल्कि आम लोगों के जीवन को भी जोखिम में डाल दिया है।

यमराज बनकर दौड़ रहे ओवरलोड ट्रक

जैतहरी से पसान तक का मार्ग कई गांवों, कस्बों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों से होकर गुजरता है। इसी मार्ग पर स्कूल, बाजार और सार्वजनिक संस्थान भी स्थित हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क किनारे खड़े भारी ट्रक और तेज रफ्तार ओवरलोड वाहन आए दिन दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं। कई परिवार सड़क हादसों में अपने परिजनों को खो चुके हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों की कार्रवाई अब तक कागजों तक सीमित दिखाई देती है।

सड़कों की हालत जर्जर, करोड़ों का नुकसान

क्षेत्रवासियों का आरोप है कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई सड़कों की हालत फ्लाई ऐश परिवहन के कारण खराब हो चुकी है। जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं और कई मार्गों पर सफर करना मुश्किल हो गया है। लोगों का कहना है कि भारी वाहनों के लगातार दबाव ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रदूषण से स्वास्थ्य पर खतरा

भाजपा जिलाध्यक्ष हीरा सिंह श्याम और नगर पालिका अध्यक्ष रामअवध सिंह ने अपने ज्ञापनों में कहा है कि कई वाहन बिना ढंके फ्लाई ऐश का परिवहन कर रहे हैं, जिससे राखड उड़कर आसपास के गांवों और बस्तियों में फैल रही है। इससे लोगों को सांस संबंधी बीमारियों और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जनप्रतिनिधियों ने नियमित पानी के छिड़काव और पूरी तरह ढंके वाहनों से परिवहन सुनिश्चित करने की मांग की है।

नो-एंट्री और पार्किंग व्यवस्था की मांग

जनप्रतिनिधियों ने मांग की है कि जिस प्रकार अनूपपुर और बिजुरी में भारी वाहनों के लिए नो-एंट्री व्यवस्था लागू है, उसी प्रकार जैतहरी और पसान क्षेत्र में भी प्रतिबंधित समय तय किया जाए। साथ ही सड़क किनारे खड़े होने वाले बल्कर, ट्रेलर और हाईवा वाहनों के लिए अलग पार्किंग स्थल विकसित किया जाए ताकि यातायात सुचारू रह सके।

स्थानीय प्रशासन की अनदेखी का आरोप

विधायक एवं पूर्व मंत्री बिसाहूलाल सिंह ने परिवहन व्यवस्था में स्थानीय जनप्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित करने की मांग करते हुए कहा है कि क्षेत्रीय हितों की अनदेखी कर कोई भी व्यवस्था लंबे समय तक सफल नहीं हो सकती। उन्होंने सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन कराने और ओवरलोडिंग पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के आरोप

सूत्रों के अनुसार फ्लाई ऐश परिवहन व्यवस्था में कुछ ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए नियमों की अनदेखी की जा रही है। आरोप है कि ओवरलोड वाहनों के संचालन से सरकार को राजस्व नुकसान होने के साथ-साथ सार्वजनिक संपत्तियों को भी भारी क्षति पहुंच रही है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

अब प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी निगाहें

एक ही मुद्दे पर जिले के चार प्रमुख जनप्रतिनिधियों द्वारा लगातार ज्ञापन सौंपे जाने के बाद अब लोगों की नजर जिला प्रशासन और एमबी पावर प्लांट प्रबंधन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि ओवरलोडिंग, प्रदूषण और अव्यवस्थित परिवहन पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में जनआंदोलन की स्थिति भी बन सकती है।

कोयला परिवहन में बड़ी गड़बड़ी की आशंका-यातायात पुलिस ने ट्रक जब्त कर खनिज विभाग को सौंपा मामला

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले में यातायात नियमों के प्रभावी पालन हेतु चलाए जा रहे विशेष जांच अभियान के तहत यातायात पुलिस अनूपपुर द्वारा एक महत्वपूर्ण कार्यवाही करते हुए कोयला परिवहन कर रहे ट्रक को जब्त किया गया। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के निर्देश पर तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी के मार्गदर्शन में की गई कार्रवाई के दौरान ट्रक वाहन को जांच हेतु रोका गया। उक्त वाहन अनूपपुर से छत्तीसगढ़ की ओर कोयला परिवहन कर रहा था। वाहन की जांच के दौरान चालक से वाहन संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, किन्तु वह मौके पर पर्याप्त एवं संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। प्रथम दृष्टया खनिज परिवहन में अनियमितता की आशंका' पाए जाने पर वाहन को विधिवत जब्त कर अग्रिम जांच एवं 'आवश्यक वैधानिक कार्यवाही हेतु प्रकरण खनिज विभाग को प्रेषित' किया गया है। इसके अतिरिक्त वाहन के विरुद्ध 'मोटर यान अधिनियम की विभिन्न प्रासंगिक धाराओं' के तहत भी वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। वाहन के वैधानिक प्रावधानों की जांच उपरांत नियमानुसार चालानी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में 'अवैध खनिज परिवहन, ओवरलोडिंग एवं यातायात नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध विशेष अभियान' निरंतर जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जमीनी हकीकत कुछ और, आरोपों की तस्वीर कुछ और, कंपनी का दावा सभी कार्य वैधानिक अनुमतियों के तहत, प्रभावित ग्रामीणों का मिल रहा सहयोग, बाहरी तत्व फैला रहे भ्रम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

न्यू जोन इंडिया परियोजना से जुड़ी गतिविधियों को लेकर हाल के दिनों में विभिन्न विज्ञप्तियों एवं शिकायतों के माध्यम से लगाए जा रहे आरोपों के बीच टोरेंट पावर ने अपना पक्ष स्पष्ट करते हुए कहा है कि जमीनी स्तर पर वास्तविक स्थिति उन दावों से काफी अलग है, जिन्हें विभिन्न मंचों पर प्रस्तुत किया जा रहा है। कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि के अनुसार परियोजना क्षेत्र में किए जा रहे सभी कार्य शासन-प्रशासन, संबंधित विभागों तथा सक्षम प्राधिकारियों से प्राप्त अनुमतियों, सहमतियों और वैधानिक प्रक्रियाओं के अनुरूप संचालित किए जा रहे हैं। कंपनी का कहना है कि परियोजना को लेकर कई प्रकार की भ्रामक जानकारियां प्रसारित की जा रही हैं, जिनसे वास्तविक तथ्यों पर अनावश्यक रूप से पर्दा पड़ रहा है। प्रतिनिधि के अनुसार विकास, रोजगार और क्षेत्रीय आधारभूत संरचना से जुड़े प्रयासों को गलत संदर्भों में प्रस्तुत कर जनसामान्य के बीच भ्रम की स्थिति उत्पन्न करने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि उपलब्ध अभिलेख और स्वीकृतियां वास्तविक स्थिति को स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं। कंपनी के अनुसार जिन खसरा क्रमांक 491, 493, 258, 264 एवं 279 का उल्लेख विभिन्न आरोपों में किया जा रहा है, उन भूमि खंडों पर कंपनी द्वारा कोई निर्माण कार्य नहीं किया जा रहा है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि संबंधित खसरे उसकी फेंसिंग सीमा के बाहर स्थित हैं तथा वहां न तो कंपनी द्वारा किसी वृक्ष की कटाई कराई गई है और न ही किसी प्रकार की निर्माण गतिविधि संचालित की जा रही है। कंपनी का कहना है कि तथ्यों की पुष्टि किए बिना इन खसरों को परियोजना गतिविधियों से जोड़ना वास्तविक स्थिति का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता। गोहडरू नाला को लेकर लगाए जा रहे आरोपों पर भी कंपनी ने अपनी स्थिति स्पष्ट की है। प्रतिनिधि के अनुसार गोहडरू नाला, जो सोन नदी की सहायक धारा है, पर कंपनी द्वारा किसी प्रकार का अवैध कार्य नहीं किया जा रहा है। जलापूर्ति एवं एनीकट निर्माण से संबंधित गतिविधियों के लिए सक्षम प्राधिकारियों से आवश्यक अनुमतियां प्राप्त की गई हैं और सभी कार्य निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अनुरूप ही संपादित किए जा रहे हैं। कंपनी का कहना है कि पर्यावरणीय और तकनीकी मानकों का पालन उसकी कार्यप्रणाली का अभिन्न हिस्सा है।

वृक्षों की कटाई के संबंध में भी कंपनी ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि जिन क्षेत्रों में नीलगिरी, बांस एवं छूला प्रजाति के वृक्षों की कटाई हुई है, वहां यह कार्य स्थानीय किसानों द्वारा ग्राम पंचायत से प्राप्त अनुमति के आधार पर किया गया है। ऐसे मामलों में कंपनी की कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं है। वहीं परियोजना से संबंधित आवश्यक वृक्ष कटाई के मामलों में संबंधित विभागों से विधिवत अनुमति प्राप्त करने के बाद ही कार्रवाई की गई है। कंपनी ने दोहराया कि बिना वैधानिक अनुमति के किसी भी प्रकार की कार्रवाई उसकी नीति का हिस्सा नहीं है। कंपनी प्रबंधन का कहना है कि परियोजना क्षेत्र के अनेक प्रभावित ग्रामीण विकास कार्यों में सहभागी हैं और कंपनी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर, आधारभूत सुविधाओं का विस्तार और क्षेत्रीय विकास की संभावनाओं को देखते हुए बड़ी संख्या में ग्रामीण परियोजना के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। कंपनी और ग्रामीणों के बीच निरंतर संवाद की प्रक्रिया जारी है तथा स्थानीय सुझावों और आवश्यकताओं को भी महत्व दिया जा रहा है। प्रतिनिधि ने कहा कि आश्चर्यजनक रूप से कुछ ऐसे लोग भी परियोजना को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं, जिनका न तो प्रभावित क्षेत्र से प्रत्यक्ष संबंध है और न ही स्थानीय हितधारकों से कोई सीधा सरोकार। कंपनी का मानना है कि ऐसे तत्व अपूर्ण तथ्यों और एकपक्षीय जानकारियों के आधार पर भ्रम की स्थिति उत्पन्न कर रहे हैं, जिससे वास्तविक हितधारकों की आवाज दब रही है। कंपनी ने कहा कि विकास परियोजनाओं पर चर्चा तथ्यों, दस्तावेजों और विधिक प्रक्रियाओं के आधार पर होनी चाहिए, न कि धारणाओं और अपुष्ट जानकारियों के आधार पर। कंपनी का कहना है कि किसी भी बड़े विकास कार्य में प्रश्न और जिज्ञासाएं स्वाभाविक होती हैं, लेकिन उनका समाधान तथ्यात्मक और वैधानिक आधार पर ही होना चाहिए। बिना पर्याप्त प्रमाणों के लगाए गए आरोप न केवल जनसामान्य को गुमराह करते हैं, बल्कि क्षेत्र के विकास से जुड़े सकारात्मक प्रयासों को भी प्रभावित करते हैं। कंपनी ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी अभिलेखों और तथ्यों की निष्पक्ष समीक्षा होने पर वास्तविक स्थिति स्वयं स्पष्ट हो जाएगी। टोरेंट पावर ने पुनः दोहराया कि वह शासन, प्रशासन एवं सभी नियामक संस्थाओं के साथ पूर्ण पारदर्शिता और सहयोग की नीति पर कार्य कर रही है। कंपनी ने कहा कि उसके सभी कार्य कानूनी, पर्यावरणीय और सामाजिक मानकों के अनुरूप संचालित किए जा रहे हैं तथा भविष्य में भी यही प्रतिबद्धता बनी रहेगी। कंपनी ने स्थानीय समुदाय के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को दोहराते हुए कहा कि विकास, पर्यावरण संरक्षण और जनहित के बीच संतुलन स्थापित करते हुए परियोजना को आगे बढ़ाया जाएगा तथा सभी गतिविधियां निर्धारित वैधानिक दायरे में ही संचालित होती रहेंगी।

अवैधानिक तरह के परिवहन करते जप्त की मिनी ट्रक सहित सेमल की लकड़ी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

वनमंडल अनूपपुर के जैतहरी रेंज अंतर्गत वेंकटनगर सर्किल में विगत रात गस्ती दौरान डेविड वेंकटराव चिनाप वनमंडलाधिकारी अनूपपुर, प्रीतेश मनोहर राव पखाले उप वनमंडलाधिकारी अनूपपुर, विवेक कुमार मिश्रा वन परिक्षेत्र अधिकारी जैतहरी के मार्गदर्शन और परिक्षेत्र सहायक वेंकटनगर संतोष कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में वनविभाग की टीम के सदस्य परिक्षेत्र सहायक गोरसी शिवचरण पुरी, बीट प्रभारी वेंकटनगर भीखम प्रसाद कोल, बीट प्रभारी गढियाटोला नारेन्द्र कुमार पटेल, बीट प्रभारी पोडी तरुण सिंह एवं सुरक्षाश्रमिको के साथ सामुहिक गस्ती के दौरान वेंकटनगर वन क्षेत्र में एक संदिग्ध वाहन को घेराबंधी कर रुकवाकर वाहन को चेक किया गया, जो कि लाल रंग का आयसर वाहन पाया गया, जिसमें सेमल प्रजाति लकड़ी लोड पायी गयी, लकड़ी के परिवहन संबंधी दस्तावेज दिखाएं जाने को चालक सतुहन पिता चुन्नीलाल यादव उम्र 29 वर्ष निवासी नेउरा जिला बिलासपुर से कहें जाने पर वाहन चालक द्वारा किसी प्रकार का वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया वाहन में रखी सेमल की 4,5 घन मीटर लकड़ी जिसे अनूपपुर जिले के जैतहरी थाना क्षेत्र के बरेली गांव के राजस्व क्षेत्र से लकड़ी ठेकेदार के कहने पर विलासपुर के ट्रांसपोर्ट द्वारा बिलासपुर बगैर किसी वैधानिक दस्तावेज के अवैध परिवहन करते पाए जाने पर वाहन सहित सेमल की लकड़ी आयसर मिनी ट्रक सहित जप्त कर जप्ती की कार्यवाही करते वन अपराध क्रमांक 4995/13 दर्ज कर सुरक्षा की दृष्टि से परिक्षेत्र सहायक परिसर वेंकटनगर लाकर सुरक्षित खड़ा करा कर विधिपूर्वक कार्यवाही की गयी।